भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने 18वां स्थापना दिवस मनाया

भुवनेश्वर, **12 फरवरी 2026:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने 12 फरवरी 2026 को अपना 18वां स्थापना दिवस मनाया है। डॉ. मुकेश महालिंग, माननीय मंत्री, ई एंड आईटी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और संसदीय कार्य, सरकार। ओडिशा के) इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि श्री सरोज पटनायक, अध्यक्ष, पटनायक ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज और ट्रस्टी, रैबिसन्स फाउंडेशन, सम्मानित अतिथि थे।

सभा को संबोधित करते हुए, माननीय मंत्री डॉ. मुकेश महालिंग ने सराहना की, "आईआईटी भुवनेश्वर अनुसंधान, नवाचार और उद्योग के साथ विचारों के आदान-प्रदान में बहुत आगे बढ़ गया है, और अब पावर सेमीकंडक्टर हब बनने की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है। ओडिशा को सेमीकंडक्टर हब के रूप में चुने जाने के साथ, सिकसेम सेमीकंडक्टर यूनिट, एसडीएम पार्क और नमो सेमीकंडक्टर लैब सहित ₹4,500 करोड़ की प्रमुख परियोजनाएं अकादमिक-उद्योग सहयोग को मजबूत कर रही हैं। इसके साथ ही, केंद्रित निवेश भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में, डेटा सेंटर और जीपीयू ओडिशा को एक अग्रणी प्रौद्योगिकी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में स्थापित करेंगे, जो आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान देगा।

सभा को संबोधित करते हुए, श्री सरोज पटनायक ने कहा: "प्रौद्योगिकी तेजी से समाज को बदल रही है, स्वास्थ्य देखभाल से लेकर ऊर्जा तक, और आईआईटी भुवनेश्वर जैसे संस्थान इस बदलाव में सबसे आगे हैं। जबकि एआई और ऑटोमेशन नौकरियों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं, वे उद्यमिता और नवाचार के लिए नए अवसर भी पैदा कर रहे हैं। मैं छात्रों को आईआईटी भुवनेश्वर के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाने, सूचित जोखिम लेने और ऐसे समाधान बनाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं जो भारत की औद्योगिक और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाते हैं।"

प्रारंभ में, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने संस्थान के जन्म और आईआईटी भुवनेश्वर परिसर के इतिहास के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा, "आईआईटी भुवनेश्वर लर्निंग हॉल, उन्नत अनुसंधान और नवाचार-संचालित शिक्षा पर केंद्रित एक जीवंत परिसर में विकसित हुआ है। आईआईटी भुवनेश्वर द्वारा तीसरे चरण में अनुसंधान और उद्यमिता पार्क का निर्माण किया जा रहा है और परिसर के बगल में ओडिशा सरकार का 223 एकड़ का सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन विनिर्माण पार्क बनने वाला है, जो उद्योग-अकादमिक सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगा और विकासशील भारत 2047 के दृष्टिकोण में सार्थक योगदान देगा।" उन्होंने लोगों के

लाभ के लिए एआई, एचपीसी और अन्य प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने और मेधावी वंचित छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए संस्थान को 25 करोड़ रुपये के परिवर्तनकारी दान के लिए श्री सरोज पटनायक को भी धन्यवाद दिया।

इस अवसर के दौरान, माननीय मंत्री डॉ. मुकेश महालिंग और श्री सरोज पटनायक ने संस्थान की विभिन्न प्रमुख अनुसंधान और विकास सुविधाओं का दौरा किया, जिनमें आईआईटी भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क, सिलिकॉन कार्बाइड अनुसंधान और नवाचार केंद्र (SiCRIC), वर्चुअल और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र (VARCoE), और सक्रिय शिक्षण कक्षाएँ शामिल हैं।

प्रोफेसर राजेश रोशन दाश, डीन (छात्र मामले) ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर संस्थान के रजिस्ट्रार श्री बामदेव आचार्य भी उपस्थित थे।

शाम को संस्थान के छात्रों और सदस्यों द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उत्साह और जोश की भावना दिखाई दी।